1 हम सब सुमन एक उपवन के

(प्रस्तुत कविता में सभी मनुष्यों को समान बताया गया है और मिल जुलकर प्रेमपूर्वक रहने के लिए प्रेरित किया गया है।)

हम सब सुमन एक उपवन के।
एक हमारी धरती सबकी,
जिसकी मिट्टी में जन्मे हम।
मिली एक ही धूप हमें है,
सींचे गए एक जल से हम।

पले हुए हैं झूल-झूलकर,
पलनों में हम एक पवन के।
हम सब सुमन एक उपवन के।

रंग-रंग के रूप हमारे,
अलग-अलग हैं क्यारी-क्यारी।
लेकिन हम सबसे मिलकर ही,
इस उपवन की शोभा सारी।

एक हमारा माली, हम सब
रहते नीचे एक गगन के।
हम सब सुमन एक उपवन के।

सूरज एक हमारा, जिसकी
किरणें उर की कली खिलातीं।
एक हमारा चाँद, चाँदनी
जिसकी हम सबको नहलाती।

मिले एक से स्वर हमको हैं
भ्रमरों के मीठे गुंजन के।
हम सब सुमन एक उपवन के।

Scanned with CamScanner

काँटों में खिलकर हम सबने,
हँस-हँसकर है जीना सीखा।
एक सूत्र में बँधकर हमने,
हार गले का बनना सीखा।

सबके लिए सुगंध हमारी,
हम शृंगार धनी-निर्धन के।
हम सब सुमन एक उपवन के।

—द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी

आप कितने फूलों के नाम जानते हैं? पाँच फूलों के नाम लिखिए—

_____ _____ _____ _____ _____

शब्दार्थ

सुमन – फूल; उपवन – बाग; सींचना – पानी देना; पलना – बड़े होना; गगन – आकाश; उर – छाती; भ्रमर – भौंरा; गुंजन – भँवरों की आवाज़; सूत्र – धागा; सुगंध – खुशबू; शृंगार – सजावट

अभ्यास

पढ़ना-लिखना

1. सोचकर बताइए–

क. हम सबको कैसे स्वर मिले हैं?

ख. इस कविता में कवि ने फूलों की तुलना किससे की है?

ग. उपवन की शोभा किससे है?

2. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

क. मिले एक से स्वर हमको हैं _____

Scanned with CamScanner

ख. सूरज एक हमारा, जिसकी _____

ग. एक हमारा चाँद, चाँदनी _____

3. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए और वाक्य पूरे कीजिए–

क. हम सबसे मिलकर ही इस _____ की शोभा सारी।
i. धूप ☐ ii. सूरज ☐ iii. उपवन ☐

ख. हम सब एक ही _____ से सींचे गए हैं।
i. पवन ☐ ii. मिट्टी ☐ iii. जल ☐

ग. हम सब एक _____ के नीचे रहते हैं।
i. गगन ☐ ii. धरती ☐ iii. उपवन ☐

घ. सूरज की किरणें उर की _____ खिलातीं हैं।
i. चाँद ☐ ii. कली ☐ iii. कुछ नहीं ☐

शब्द संसार

1. पढ़िए, समझिए और नए शब्द लिखिए–

क. वन – उपवन
ख. नायक – _____
ग. नगर – _____
घ. शाखा – _____
ङ. ग्रह – _____
च. राष्ट्रपति – _____

2. अब इनमें से किन्हीं दो शब्दों से वाक्य बनाइए–

क. _____

ख. _____

3. नीचे दिए चित्रों को देखिए। जो शब्द इनका पर्यायवाची नहीं है, उस पर गोला लगाइए–

सुमन	फूल	पुष्प	कली
रवि	भास्कर	सूरज	धूप
सड़क	धरती	पृथ्वी	भू
बाघ	उपवन	बगीचा	बाग
बादल	नभ	गगन	आसमान

चिंतन

कविता से कोई एक नाम शब्द छाँटिए। उस शब्द को न बोलकर उसके बारे में एक वाक्य बोलिए। देखिए, क्या आपके साथी वह शब्द पहचान पाते हैं। यदि नहीं, तो आप एक-दो वाक्य और जोड़ सकते हैं।

जैसे; धरती के लिए- मैं गोल हूँ। मुझ पर सब रहते हैं।

Scanned with CamScanner

सुनना-बोलना

1. कविता की पंक्तियाँ याद करके सही उच्चारण व भाव के साथ कक्षा में सुनाइए–
2. नीचे दिए शब्दों का आदर्श उच्चारण कीजिए–

सींच | क्यारी | किरण | भ्रमर | सुगंध | श्रृंगार

व्याकरण

1. आप जानते हैं कि नाम शब्द संज्ञा होते हैं। नीचे दिए वाक्यों में से संज्ञा शब्द पहचानकर अलग लिखिए-

क. कोयल मीठा गाती है। _____

ख. माँ ने सुंदर पौधा खरीदा। _____

ग. हम सब एक उपवन के सुमन हैं। _____

घ. सूरजमुखी भी एक फूल का नाम है। _____

ड. चाँद रात में निकलता है। _____

2. संज्ञा और सर्वनाम के काम बताने वाले शब्द क्रिया कहलाते हैं। कविता में से चार क्रिया शब्द छाँटकर लिखिए-

क. _____ ख. _____ ग. _____ घ. _____

लेखन अभिव्यक्ति

नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए। इस चित्र का वर्णन चार से पाँच वाक्यों में कीजिए–

_____

_____

_____

_____

_____

रचनात्मक कार्य

कुछ फूलों का संग्रह करके उन्हें सुखाइए। उन्हें अपनी स्क्रेपबुक में चिपकाइए तथा उनके नाम भी लिखिए। सूखे फूलों की पंखुड़ियाँ चिपकाकर आप कार्ड भी बना सकते हैं।

Scanned with CamScanner